VPM'S B.N.BANDODKAR COLLEGE OF SCIENCE.THANE
F.Y.J.C 2nd Mid Term Examination January - 2020
Subject :-Hindi

Date :-13/01/2020 **Time :- 04.00 p.m. TO 05:00 p.m.**
Day :-Monday **Total Marks :- 25**

१) सूचना के अनुसार गद्य,पद्य तथा पूरक पठन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है |
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें |
३) व्याकरण विभाग तथा रचना विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है |
४) शुध्द स्पष्ट एवं सुवाच्छ लेखन अपेक्षित है |

कृती.१ अ) निम्नलिखित गदयांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिएः

गदयांश

भारतेंदु के जन्म के समय उच्च वर्गो का बहुत बड़ा असर था | उच्च कुलों काही सम्मान था | अतःभारतेंदु को यदि उस समय इतना अधिक महत्त्व दिया गया था तो उसमें कुछ अंश तक उनके कुल का भी प्रभाव था परंतु उनसे अधिक धनी और उच्च कुल के लोग भी मौजूद थे | उनका इतना नाम क्यों न हुआ ? यही बात स्पष्ट कर देती है कि वह व्यक्ति कुल के कारण प्रसिद्ध हो सका था | भारतेंदु ने अपने साहित्य में कुल वर्ग का पोषण नहीं किया, यह उनके व्यक्तित्व के विकासशील होने का बड़ा सशक्त प्रमाण है | भारतेंदु ने कुल के गर्व को दुहराने के बजाय देस के गर्व को मात्र पॉच वर्ष की अवस्था में उन्होंने कविताएँ रचना शुरू कर दिया था| तेरह वर्ष की अवस्था में भारतेंदु हरिश्चंद्र का विवाह शिवाले के रईस लाला गुलाबराय की पुत्री मन्नोदेवी से बड़ी धूमधाम के साथ हुआ | सत्रह वर्ष की उम्र में उन्होंने नौजवानों का एक संघ नबाया और उसके दूसरे ही वरस एक वाद-विवाद सभा (डिबेटिंग क्लब) स्थापित की इस सभा का उद्देश्य भाषा और समाज का सुधार करना था | अठारह वर्ष की आयु में वे काशी नरेश की सभा के प्रधान सहायक रहे| साथ हि कविवचन - सुधा नामक पत्र निकालना प्रारंभ किया | इन्हीं दिनों होम्योपैथिक चिकित्सालय खोला जिनमें मुफ्त दवा बॅटती थी |

१) तालिका पूर्ण कीजिए ! 02

भारतेंदु जी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएँ	भारतेंदुजी ली उम्र
i) कविताएँ रचना शुरू किया	
ii) मन्नोदेवी से विवाह	
iii) नौजवानों का संघ बनाना	
iv) वाद-विवाद सभा की स्थापना	

२) कारण लिखिए ः 02

i) भारतेंदु जी को महत्व दिया गया . . . . . .

ii) भारतेंदु जी ने वाद-विवाद सभा स्थापित की . . . . . .

३) निम्न समोच्यारित भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिएः 02

i) प्रधान

i) प्रदान

ii) दिन

ii) दीन

४) "दीन दुखियों की सेवा ही ईश्वर सेवा है" स्पष्ट कीजिए | 02

व्यवहारिक हिंदी - विभाग

कृति . २ अपने कनिष्ठ महाविदयालय में मनाए गए "हिंदी दिवस" का समाचार लेखन कीजिए . 04

कृति . ३ पदयांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए ः

पदयांश

दोस्त है तो मेरा कहां भी मान
मुझसे शिकवा भी कर, बुरा भी मान
दिल को सबसे बड़ा हरीफ समझ
और इस संघ को खुदा भी मान
मैं कभी सच भी बोल देता हूँ
गाहे-गाहे मेरा कहा भी मान
याद कर देवताओं के अवतार
हम फकिरो का सिलसिला भी मान
कागजों की खामोशियॉ भी पढ़
'इक-इंक' हर्फ 'को' सदा भी मान

१) लिखिए 02

i) दिल को समझना है - . . . . . .

ii) याद करना है - . . . . . .

iii) इन्हें पढ़ना है - . . . . . .

iv) इनका सिलसिला मानना है - . . . . . .

२) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए ः 02

i) i) कवि ने एक-एक वाक्य को सदा मानने के लिए कहा है =
ii) कवि कभी-कभी सच भी बोल देता है =

ii) सहि विकल्प चुनकर पंक्ति पूर्ण कीजिए :

i) इस संग को . . . . . भी मान (खुदा / सदा)

ii) मुझसे . . . . . भी कर, बुरा भी मान (दोस्ती / शिकवा)

३) पदयाश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए | 02

भाषअध्ययन (व्याकरण विभाग)

कृति . ४ १) निम्नालिखित काव्य शब्दालकांर के भेद पहचानिए 02

i) लाली मोरे लाल की जित देखो तित लाल |
लाली देखन मैं चली मैं भी हो गई लाल ||

ii) तो पर बारों उरबसी, सुनि राधिके सुजान |
तू मोहन के उर बसी, हवै उरबसी समान ||

२) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर' से लिखिए 02

i) प्रेमचंद किसी अेक धारा या वाद से वॅध कर नही चले |

ii) गुस्से से कही ग्यान हासिल होता है ?

३) निम्नलिखित तत्सम शब्द का तद्भव शब्द में परिवर्तन करके लिखिए . 03

i) अंगुली -

ii) अश्रु -

iii) काक -

iv) ग्रह -

v) कोकिल -

~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~*~